भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3466

सोमवार, 15 जुलाई, 2019/**24** आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

राज्य को सापेक्ष पर्यटन को बढ़ावा देना

+**3466**. श्री गौतम गंभीरः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की पर्यटन को अगले स्तर पर ले जाने और देश को एक अत्यधिक आकर्षक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल बनाने की कोई योजना है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने राज्य आधारित पर्यटन को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रोत्साहन देने के लिए कोई उपाय किए हैं; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा सरकार द्वारा दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में पर्यटन को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं तथा गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस संबंध में कितनी निधि आवंटित की गई है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन, प्रसाद तथा केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक अपनी योजनाओं के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना तथा सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पूर्व में जारी निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति दी जाती है।

पर्यटन मंत्रालय एक संपूर्ण गंतव्य के रूप में भारत का संवर्धन करता है और दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड तथा पंजाब सहित देश के विभिन्न राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों के संवर्धन हेतु जारी अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में वार्षिक रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय के सोशल मीडिया अकाउंट्स तथा वेबसाइट के

माध्यम से भी संवर्धन कार्य किया जाता है। इसके अतिरिक्त भारत तथा विदेशों में स्थित भारत पर्यटन कार्यालय विभिन्न राज्यों की पर्यटन क्षमता प्रदर्शित करने के उद्देश्य से अनेक संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं।

पर्यटन मंत्रालय राज्य/संघ राज्यक्षेत्रों को पर्यटन के संवर्धन के लिए निधियों का आवंटन नहीं करता है तथापि यह मंत्रालय राज्य/ संघ राज्यक्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर और उनके द्वारा योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन एवं निधियों की उपलब्धता की शर्त पर निम्नलिखित संवर्धनात्मक कार्यकलापों के लिए राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है:

(i) मेलों, महोत्सवों एवं पर्यटन संबंधी समारोहों का आयोजन करना
(ii) प्रिंट मीडिया अभियान में संयुक्त रूप से विज्ञापन देना
(iii) निजी क्षेत्र के सहयोग से प्रचार सामग्री तैयार करना
(iv) फिल्म पर्यटन का संवर्धन

पिछले **3** वर्षों और वर्तमान वर्ष में उपरोक्त योजनाओं के अंतर्गत दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड तथा पंजाब राज्य को स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

****

अनुबंध

राज्य को सापेक्ष पर्यटन को बढ़ावा देना के संबंध में दिनांक **15.7.2019** के लोकसभा लिखित प्रश्न संख्या +**3466** के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

पर्यटन के विकास एवं संवर्धन हेतु पिछले **3** वर्षों और वर्तमान वर्ष में दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड तथा पंजाब राज्यों को स्वीकृत परियोजनाएं

स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	निर्मुक्त राशि
वर्ष 2016-17					
1.	राजस्थान	कृष्णा परिपथ	राजस्थान में गोविन्द देव जी मंदिर (जयपुर), खाटूश्याम जी (सीकर) और नाथद्वारा (राजसमंद) का एकीकृत विकास	**91.45**	**45.72**
2.	उत्तराखंड	विरासत परिपथ	उत्तराखंड में कुमाऊं क्षेत्र में कटारमल-जोगेश्वर-बैजनाथ-देवीधुरा विरासत परिपथ का एकीकृत विकास	**79.13**	**40.97**
3.	राजस्थान	आध्यात्मिक परिपथ	स्वदेश दर्शन योजना के तहत राजस्थान में आध्यात्मिक परिपथ –चुरू (सालासर बालाजी)-जयपुर (श्री समोदे बालाजी, घटके बालाजी, बांधेके बालाजी) –अलवर (पांडुपोल हनुमानजी, भरतहरि)-विराटनगर (बीजक, जैन्नासिया, अम्बिका मंदिर)-भरतपुर (कमान क्षेत्र)-धौलपुर (मुचकुंद)-मेहंदीपुर बालाजी-चित्तौड़गढ़ (साँवलियाजी) का विकास	**93.90**	**46.95**
वर्ष 2017-18					
4.	राजस्थान	विरासत परिपथ	स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत राजस्थान में विरासत परिपथ: राजसमंद (कुंभलगढ़ का किला)- जयपुर (नाहरगढ़ का किला) –अलवर (बाला किला)-सवाई माधोपुर (रणथम्बौगर का किला और खण्डार किला)- झालावाड़- (गागरों का किला)- चित्तौड़गढ़ (चित्तौड़गढ का किला)- जैसलमेर (जैसलमेर का किला)	**99.60**	**49.80**

			– हनुमानगढ़ (कालीबंगन, भटनेर किला और गोगामेड़ी)- जलौर (जलौर का किला)- उदयपुर (प्रताप गौरव केन्द्री)- धौलपुर (बाग ई-निलोफर और पुरानी छावनी)- नागौर (मीराबाई मंदिर) का विकास।		
वर्ष 2018-19					
5.	पंजाब	विरासत परिपथ	पंजाब में विरासत परिपथ: आनंदपुर साहिब- फतेहगढ़ साहिब-चमकौर साहिब- फिरोजपुर- अमृतसर- खाटकर कालान- कालानौर- पटियाला का विकास	**99.95**	**0.00**
वर्ष 2019-20					
			शून्य		

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना

(करोड़ रुपए में)

क्र.सं.	वर्ष	राज्य	परियोजना का नाम	परियोजना की लागत	जारी की गई राशि
1	**2016-17**		शून्य		
2	**2017-18**		शून्य		
3	**2018-19**	उत्तराखंड	बद्रीनाथ जी धाम में तीर्थयात्रा सुविधा के लिए अवसंचना विकास (उत्तराखंड)	39.**24**	11.**77**
4	**2019-20**		शून्य		

<u>केंद्रीय एजेंसी योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं</u>

(लाख रु. में)

क्र.सं.	स्वीकृति का वर्ष	राज्य का नाम/	परियोजनाओं का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
1.	**2016-17**		शून्य		
2.	**2017-18**	पंजाब	जेसीपी अटारी, पंजाब में अवसंरचनात्मक विकास हेतु परियोजना	**1312.00**	**545.96**

3.	**2018-19**	पंजाब	अमृतसर, पंजाब में जलियांवालाबाग स्मारक का जीर्णोद्धार / नवीनीकरण	**1929.00**	**838.00**
4.	**2019-20**		शून्य		

मेलों**,** त्योहारों और पर्यटन संबंधित समारोहों के आयोजन लिए स्वीकृत केंद्रीय वित्तीय सहायता

(लाख रु. में)

वर्ष	राज्य का नाम	परियोजनाओं का नाम	स्वीकत राशि	जारी की गई राशि
2016-17		शून्य		
2017-18	पंजाब	**142** वें श्री बाबा हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन, जालंधर और आनंदपुर साहिब में होलामोहल्ला	20.**00**	20.**00**
	उत्तराखंड	योग महोत्सव	25.**00**	25.**00**
2018-19	पंजाब	सूफी महोत्सव, हरिवल्लभ संगीत सम्मेलन	30.**00**	30.**00**
		पटियाला विरासत महोत्सव	20.**00**	20.**00**
	उत्तराखंड	टिहरी महोत्सव एवं योग महोत्सव	**50.00**	**50.00**
2019-20		शून्य		

****